836 विद्यार्थियों को पूर्व राष्ट्रपति ने डिग्री दी

गोल्ड मेडल पहनाने के साथ ही सभी से की बातचीत

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान निट में गुरुवार को हुए 12वें दीक्षांत समारोह में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने 836 विद्यार्थियों को डिग्री दी। इतना ही नहीं उन्होंने सभी गोल्ड मैडल पाने वाले विद्यार्थियों से उनके करियर को लेकर बातचीत भी की। हालांकि कुल 1174 विद्यार्थियों को डिग्री दी जानी थी लेकिन 338 विद्यार्थी समारोह में नहीं पहुंच पाए।

शाम चार बजे निट के ओपन एयर थिएटर में पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति का सभी ने खड़े होकर अभिवादन किया। दीक्षांत समारोह में 32 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल, 32 को पीएचडी की डिग्री, 130 विद्यार्थियों को सिविल इंजीनियर एमटेक व बीटेक की डिग्री, 79 विद्यार्थियों की बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री, 56 विद्यार्थियों को आईटी एमटेक, 95 विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एमटेक व बीटेक की डिग्री, 94 विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन की डिग्री, 128 विद्यार्थियों को मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री, 41 विद्यार्थियों को इंड्रस्ट्रियल इंजीनियरिंग, 18 को वीएलएसआई डिजाइन, चार को रिन्यूवल एनर्जी, 18 को एमटेक फिजिक्स, 54 एमबीए और 55 को एमसीए की डिग्री दी गई।

तकनीकी उत्कृष्टता को दें बढ़ावा : डॉ. कलाम ने हाल ही में आई वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट का जिक्र किया। जिसमें भारत 60वें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि अगर हमें देश के स्तर को उठाना है तो हमें तकनीक में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सुपरसोनिक मिसाइल के मामले में भारत नंबर एक पर है। यह तकनीक किसी अन्य देश के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता कोई संयोग नहीं है बल्कि यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें लगातार सुधार लाया जाता है। डॉ. कलाम ने 2014 में हुई तकनीकी सफलताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन सफलताओं ने मानवता के विकास में एक अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने तीन सफलताओं के बारे में बताया जिनमें मानव भ्रूण मूल कोशिका तकनीक, इससे मधुमेह जैसी बीमारी से मानवता को निजात मिल सकती है। दूसरी अंतरिक्ष विज्ञान और तीसरी रॉकेट तकनीक। दीक्षांत समारोह बाद डॉ. कलाम ने आईआईएम लखनऊ के पूर्वनिदेशक प्रो. प्रीतम सिंह व आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. एसजी ढांडे को डीएससी की मानद उपाधि प्रदान की। इसके बाद डॉ. कलाम निट के सीनेट हाल में विद्यार्थियों से रू-ब-रू हुए।

कुरुक्षेत्र| निट में आयोजित 12वें दीक्षांत समारोह में छात्रा को डिग्री देते पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम।

कुरुक्षेत्र| निट में आयोजित 12वें दीक्षांत समारोह में प्रो. संजय गोविंद ढांडे को मानद उपाधि से नवाजते पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम।

फ्लैश बैक-पहले केयू में बांटी थी डिग्री

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आजाद राष्ट्रपति रहते मई 2007 में कुरुक्षेत्र पहुंचे थे। तब उन्होंने केयू ऑडिटोरियम में आयोजित दीक्षांत समारोह में शिरकत की थी। यहां उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा का अनावरण भी किया था। जिसे शिल्पकार रामसुतार ने बनाया था। उन्होंने ही यहां के लिए भव्य कांस्य रथ तैयार किया। उनकी कला से प्रभावित डॉ. कलाम ने मूर्तिकार का हाथ चूमा था। तब कलाम ज्योतिसर तीर्थ का भ्रमण करने भी पहुंचे थे। यहां पूर्व महंत स्वामी हरानंद से वटवृक्ष व तीर्थ का महत्व जाना था।